VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 07 OCT 2017
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 876)

Name of Candidate	S. CHANDRA		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	41040
Center	MN	Date	07/10/2017

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	12.5	
2	12.5	
3	12.5	
4	12.5	
5	12.5	
6	12.5	
7	12.5	
8	12.5	
9	12.5	
10	12.5	
11	12.5	
12	12.5	
13	12.5	
14	12.5	
15	12.5	
16	12.5	
17	12.5	
18	12.5	
19	12.5	
20	12.5	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer all the questions in NOT MORE THAN 200 WORDS each. Content of the answers is more important than its length. All questions carry equal marks.

12.5X20=250

1. While India has taken a number of steps in order to substantially improve its ranking in the World Bank's 'Ease of Doing Business' Index, it needs to take further action in this regard. Elaborate. Also analyse the utility of these rankings vis-a-vis India's objective of facilitating a sound entrepreneurial environment.

जहां, भारत ने विश्व बैंक के 'इज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने की सुगमता) सूचकांक में अपनी रैंकिंग में सार्थक सुधार करने हेतु कई कदम उठाए हैं, वहीं भारत को इस संबंध में आगे और अधिक कार्यवाही करने की आवश्यकता है। सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही सुदृढ़ उद्यमिता वातावरण प्रदान करने के भारत के उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में ऐसी रैंकिंग की उपयोगिता का भी विश्लेषण कीजिए।

वर्तमान में किसी भी अर्थव्यवस्था की तीव्र एवं सतत संवृद्धि के लिए सार्वजनिक निवेश अपर्याप्त सिद्ध हो रहा है अत: निजी निवेश के बढ़ाने के लिए राज्यों द्वारा संरचनात्मक एवं संस्थागत ~~अधिकारों~~ सुधारों की आवश्यकता है। निजी निवेश का संबंध स्थानीय एवं वैश्विक स्रोतों से प्राप्त निवेश से है।

निवेश बढ़ाने के लिए किये गए सुधारों के आधार पर विश्व बैंक 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सूचकांक जारी करता है, जिसके आधार पर वैश्विक निवेशक

अपना गंतव्य निर्धारित करते हैं।

भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सूचकांक को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाए गये हैं -

(i) सिंगल विंडो क्लीयरेंस सुविधा के माध्यम से पंजीकरण में सहजता।

(ii) श्रम-सुविधा पोर्टल के तहत प्रतिस्पर्धी एवं वहनीय मूल्य पर श्रम आपूर्ति

(iii) भूमि अधिग्रहण के लिए राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक माहौल।

(iv) नीति आयोग का ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रिपोर्ट के आधार पर राज्य-स्तरीय प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा।

(v) विद्युत प्राप्ति में सुगमता के लिए विद्युत उत्पादन बढ़ाना एवं ग्रिड के माध्यम से ऊर्जा सुलभ कराना

भारत में विभिन्न कदमों के बावजूद विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवेश सूचकांक में 130 वॉं स्थान बना हुआ है जो भारत में निवेश के लिए उपस्थित क्षमता के पूर्ण दोहन में अवरोध का कार्य करती है। अत: निम्नांकित कदमों की आवश्यकता है।

(i) श्रम. मानकों का एकीकरण करना एवं वैश्विक मानकों के अनुसार स्वरूप प्रदान करना।

(ii) उच्च स्तरीय अवसंरचना का कमजोर राज्यों तक विस्तार करना।

(iii) रुकी हुई परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना तथा ग्रीनफील्ड निवेश प्राप्ति पर अधिक बल देना।

वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था पूर्ण-रूप से वैश्विक-वित्तीय परितंत्र से जुड़ चुकी है अत: वैश्विक प्रतिस्पर्धा मंच पर अपनी मजबूत स्थिति बनाने के लिए वैश्विक सूचकांकों के अनुरूप ढाँचे का निर्माण आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

2. In wake of the agrarian crisis that the country is witnessing, discuss the need for adopting an income-centric approach in preference to a production-centric one as the basis of agricultural policy. In this context, also highlight the steps that should be taken to achieve the goal of doubling the income of farmers by 2021-22 and the challenges that exist.

देश द्वारा सामना किए जा रहे कृषि संकट के आलोक में, कृषि नीति के आधार के रूप में उत्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर आय-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में, 2021-22 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जो कदम उठाए जाने चाहिए, उनके साथ-साथ विद्यमान चुनौतियों पर भी प्रकाश डालिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है। यहाँ कृषि 48.9 प्रतिशत श्रमबल को नियोजित करती है तथा अप्रत्यक्ष रूप से विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र की माँग को प्रभावित करती है। अतः कृषि क्षेत्र की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है।

भारत में विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि उत्पादन बढ़ाने को उद्देश्य बनाया गया जिसकी परिणति के रूप में कृषि-उत्पादन तो बढ़ा किन्तु क्षेत्रीय एवं व्यक्तिगत विषमता युक्त इस वृद्धि के कारण कुछ ही किसान समूह लाभान्वित हुए तथा विषमता में वृद्धि हुई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हरित क्रांति में सिर्फ अनाज फसलों पर बल दिये जाने के कारण फसल - प्रतिरूप में बदलाव हुआ तथा कृषि-जलवायु दशाओं के प्रतिकूल फसल प्रतिरूप में कृषि-इनपुट लागत में वृद्धि हुई अतः किसानों की शुद्ध आय या कृषि दक्षता में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई।

आय आधारित दृष्टिकोण से कृषि लागत मूल्य में कमी एवं उत्पाद मूल्य में वृद्धि द्वारा किसानों की शुद्ध आय बढ़ाने पर बल दिया जाता है।

किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने के लिए निम्नांकित कदमों की आवश्यकता है -

(i) न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) नीति को तार्किक बनाकर दलहन, तिलहन, मोटे अनाज के उत्पादन को लाभकारी बनाना होगा ताकि कृषि - जलवायु दशा के अनुसार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

उत्पादन हो और कृषि आगत मूल्य में कमी आये।

(ii) कृषि अवसंरचना (सिंचाई, भण्डारण, कोल्ड स्टोरेज, बाजार मण्डी) पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाया जाना चाहिए।

(iii) सरकारी नीतियों जैसे प्रधानमंत्री कृषि-सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना का बेहतरीन कार्यान्वयन कर इनका सार्वभौमीकरण करना।

(iv) कृषि ऋण सुविधाओं को वहनीय मूल्य पर एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना।

चुनौतियाँ -

↳ राज्य सूची के विषय होने के कारण राज्यों का असहयोगात्मक रवैया।

↳ अशिक्षा, गैर-जागरूक किसान एवं अनेक सामाजिक रूढ़ियों का प्रभाव।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. It is argued that India's fiscal centre of gravity has rapidly shifted from the Centre to the States. Analyse the statement in context of the debate on fiscal discipline. Also, enumerate the key recommendations of the N.K. Singh panel on Fiscal Responsibility and Budget Management Act.

यह तर्क दिया जाता है कि भारत का राजकोषीय गुरुत्वाकर्षण का केंद्र तेजी से केन्द्र से राज्यों की ओर स्थानांतरित हुआ है। राजकोषीय अनुशासन पर वाद-विवाद के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए। साथ ही, राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम पर एन. के. सिंह पैनल की प्रमुख अनुशंसाओं को सूचीबद्ध कीजिए।

भारत में संघवादी शासन व्यवस्था को अपनाया गया है एवं वित्तीय शक्तियों को भी केंद्र एवं इसकी इकाइयों में विभाजित किया गया है।

विविधतावादी इकाइयों के कारण केन्द्रीय नियोजन प्रणाली अव्यावहारिक प्रतीत होने लगी क्योंकि राज्यों के बीच विषमता अत्यधिक बढ़ने लगी थी तथा राज्यों की विशिष्ट क्षमताओं का दोहन नहीं हो पा रहा था।

अतः राजकोषीय विकेन्द्रण द्वारा राज्यों की विकेन्द्रीकृत क्षमताओं एवं आवश्यकताओं को सम्मान/महत्व दिया गया। इसी क्रम में राजकोषीय विकेन्द्रण अपनाया गया जैसे -

(i) ~~संविधान संशोधन~~

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

- 73 वाँ संविधान संशोधन
- 74 वाँ संविधान संशोधन
- 14वां वित्त आयोग के अनुसार विभाज्य पूल का राज्यों का हिस्सा 32% से बढ़कर 42%।
- GST - परिषद में राज्यों की दो-तिहाई भागीदारी।

प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद को बढ़ावा देना तथा विकेन्द्रीकृत नियोजन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए राजकोषीय विकेन्द्रण का होना आवश्यक है। किन्तु राज्यों में शासन गुणवत्ता कमजोर होने, भ्रष्टाचार एवं अपारदर्शिता होने के कारण, राजनीतिक तुष्टिकरण के कारण राजकोषीय अनुशासन कमजोर हो सकता है। 14वें वित्त आयोग द्वारा राज्य के राजकोषीय अनुशासन को विभाजन योग्य पूल के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बँटवारे के मानकों से हटाने से यह समस्या और अधिक बढ़ सकती है। अतः राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को मजबूत बनाने के लिए प्रयास आवश्यक है। इसके लिए निम्नांकित कदम/उपाय आवश्यक हैं-

(i) राजकोषीय अनुशासन को वित्त आयोग के विभाजन मानकों में शामिल करना चाहिए।

(ii) सभी राज्यों की सहभागिता से मॉडल नियम बनाने की आवश्यकता है ताकि आधारभूत तत्वों का समावेशन प्रत्येक राज्य की नीतियों में हो।

(iii) अभिशासन की गुणवत्ता सुधारने के लिए ई-गवर्नेंस, स्मार्ट गवर्नेंस को बढ़ावा देना चाहिए।

NK सिंह पैनल -

(i) ~~कक्ष~~ ~~एक~~ राजकोषीय सुदृढ़ता का लक्ष्य एक बिन्दु नहीं होकर एक पराक्ष (Range) होना चाहिए।

(ii) राज्यों के अनुशासन पर बल।

4. Strategic sale of state-run firms is a prudent step to deal with the challenges being faced by the public sector enterprises in India. Comment. Also enumerate other measures that can be taken in light of NITI Aayog's suggestions in this regard.

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य-संचालित उद्यमों की रणनीतिक बिक्री एक विवेकपूर्ण कदम है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही इस संबंध में नीति आयोग के सुझावों के प्रकाश में उठाए जा सकने वाले अन्य उपायों को भी सूचीबद्ध कीजिए।

भारत में संवृद्धि ध्रुवों (Growth-Poles) की स्थापना कर विकासात्मक अद्योगति निस्यंदन (Downward filteration) की संकल्पना को स्थापित करने तथा प्रादेशिक विषमता की समाप्ति के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (PSUs) की स्थापना की गई।

रोजगार अवसरों के सृजन, उत्पादन, सार्वजनिक आय बढ़ाने में PSUs ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है किन्तु इनके समक्ष कुछ चुनौतियाँ हैं -

(i) लगातार घाटे में चलते रहना
(ii) प्रति-इकाई उत्पादन में नियोजित श्रमिक संख्या अधिक।
(iii) राजनीतिक हस्तक्षेप

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

(iv) नवीनीकरण का अभाव।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए PSUs की रणनीतिक बिक्री एक लाभकारी कदम हो सकता है, इसके निम्नांकित लाभ होंगे -

(i) नवीन निवेश। पूँजी आने से PSUs की दक्षता बढ़ेगी तथा सरकार की राजकोषीय सुदृढ़ता को बल मिलेगा।

(ii) निजी फर्मों की भागीदारी 50% से ज्यादा होने से प्रबंधन की जिम्मेदारी से सरकार को मुक्ति मिलेगी अतः सरकारी मशीनरी का उपयोग अन्य वांछित क्षेत्रों में किया जा सकेगा।

(iii) क्रॉस- सब्सिडी समाप्त होने से बेहतर संपादन करने वाले PSUs की दक्षता बढ़ेगी।

(iv) निजी निवेश बढ़ने से तकनीकी उन्नयन, श्रम दक्षता, पूँजी प्रबंधन दक्षता में वृद्धि होगी अतः प्रति इकाई उत्पादन लागत कम होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

रणनीतिक बिक्री के लिए निम्नांकित सुझाव आवश्यक हैं -

(i) रणनीतिक बिक्री के बाद वंचित क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को बनाए रखने के लिए विशेष छूटों का प्रावधान करना चाहिए।

(ii) आर्थिक स्फूर्ति काल में कमजोर कम्पनियों की बिक्री ज्यादा लाभदायक सिद्ध होगी।

(iii) पारदर्शितापूर्ण बिक्री प्रक्रिया को अपनाया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Shell companies in India are neither legally defined nor properly understood. Analyse in the light of recent developments, prevalent understanding and steps required to effectively deal with shell companies.
भारत में शेल कंपनियां न तो कानूनी रूप से परिभाषित हैं और न ही उनके विषय में उचित समझ है। हाल के घटनाक्रमों, व्याप्त (प्रचलित) समझ और शेल कंपनियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक कदमों के आलोक में विश्लेषण कीजिए।

शैल कम्पनियों के माध्यम से विभिन्न निवेशक कर अपवंचन करती हैं तथा संबंधित देशों की कर संरचना से बचते हुए अवांछित लाभ कमाती हैं। इन कम्पनियों के माध्यम से विभिन्न भारतीय कंपनियाँ भी राउण्ड ट्रिपिंग की सहायता लेती हैं तथा धनशोधन करती हैं। अत: देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है।

भारत में शैल कम्पनियों के संबंध में स्पष्ट परिभाषा का अभाव होने एवं स्पष्ट नीतिगत / विधिक प्रावधानों का अभाव होने के कारण से कम्पनियाँ आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाल में मॉरीशस रास्ते से अप्रत्यक्ष निवेश, वोडाफोन कर-अपवंचन मामला आदि के कारण बड़े आर्थिक नुकसान भारत सरकार को झेलने पड़े हैं अतः शेल कम्पनियों पर नियंत्रण आवश्यक है। इसके निम्नांकित उपाय हो सकते हैं -

(i) विभिन्न देशों के साथ डबल टैक्स अवाइडेंस एक्ट (DTAA) को संशोधित करना एवं कठोर एवं अनुकूल मानकों के साथ लागू करना।

(ii) अमेरिका के 'FATCA' के माध्यम से वैश्विक वित्तीय सूचना साझाकरण करना एवं समुचित कार्यवाही करना।

(iii) धनशोधन (मनी लॉन्डरिंग) के खिलाफ FATF (Financial Action Task force) का मजबूत क्रियान्वयन करना।

(iv) जैसा कि स्वीट्जरलैंड के साथ किया गया है अन्य टैक्स हेवन देशों के

साथ ही द्विपक्षीय करारों के माध्यम से सूचना साझाकरण करना।

• वैश्विक सहयोग के साथ ही भारत की विभिन्न वित्तीय आसूचना मशीनरी को आधुनिक एवं मजबूत बनाना होगा ताकि किसी भी प्रकार की विसंगति को पकड़ा जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

6. If a larger population in India is to be involved in the economy in a big way, Small and Medium Enterprises (SMEs) are key. Elaborate. Also discuss the challenges faced by the SME sector in India and give an account of the measures taken by the government to deal with these.

यदि भारत में एक बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर सम्मिलित करना है, तो लघु और मध्यम उद्यम (SMEs) महत्वपूर्ण हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। इसके साथ ही, भारत में SME क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा कीजिए और इनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी प्रदान कीजिए।

भारत में रोजगार सृजन, निर्यात बढ़ाने एवं ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्र की उन्नति के लिए SMEs का अत्यधिक महत्वपूर्ण है। SMEs के माध्यम से आय विकेन्द्रीकरण, कृषि उत्पादों का नियोजन एवं ग्रामीण / स्थानीय माँग की पूर्ति वहनीय कीमतों पर की जा सकती है।

SME क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियाँ निम्नांकित हैं:-

(i) अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन के कारण, विद्युत सुविधा, बैंकिंग सुविधा, परिवहन सुविधा का अभाव होने से SMEs

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रक की दूरस्थ इकाइयों का लाभ नहीं उठाया जा सकता है।

(ii) तकनीकी उन्नयन एवं कौशलीकृत श्रम के अभाव में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना।

(iii) ज्यादातर SME उत्पादन को संरक्षण की श्रेणी में डाला गया है अतः किसी निवेश के अभाव में यह तकनीकी रूप से पिछड़ा एवं एक असंगठित इकाई बना हुआ है।

(iv) विपणन सुविधा / विपणन तंत्र की दक्षता के अभाव में बड़ी आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण हो जाता है अतः वास्तविक लाभ उत्पादकों तक नहीं पहुँच पाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा उठाये गये कदम निम्नांकित है·

(i) मुद्रा योजना के माध्यम से ऋण प्रदान करना।

(ii) स्टैण्ड-अप इण्डिया के माध्यम से नवीन उद्यमों की स्थापना में SC, ST, महिला उद्यमियों का सहयोग।

(iii) कौशल भारत मिशन द्वारा कौशलीकृतश्रम प्रदान करना।

(iv) उस्ताद योजना द्वारा अल्पसंख्यक उद्यमिता को बढ़ावा।

(v) 'भारत ब्राण्ड' का विकास कर विपणन

(vi) सरकारी खरीद में MSE क्षेत्रक के उत्पादों को प्राथमिकता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What are the reasons for the growing informalization of industrial labour in India? Discuss the issues associated with the phenomenon and reforms required to deal with them.

भारत में औद्योगिक श्रम के बढ़ते अनौपचारीकरण के क्या कारण हैं? इस परिघटना से जुड़े मुद्दों और उनसे निपटने हेतु आवश्यक सुधारों पर चर्चा कीजिए।

भारत में औद्योगिक श्रम के बढ़ते अनौपचारीकरण के निम्नांकित कारण हैं -

(i) संगठित क्षेत्रक में जटिल श्रम कानून होने के कारण उद्यमी अनौपचारिक क्षेत्रक में बने रहना चाहते हैं।

(ii) औद्योगिक क्षेत्रक में सार्वजनिक इकाइयों की नगण्य भागीदारी के कारण औपचारीकरण नहीं बढ़ पाता जबकि सार्वजनिक इकाइयाँ औपचारीकरण को बढ़ावा देती हैं।

अनौपचारीकरण के संदर्भ में प्रमुख मुद्दे -

(i) श्रमिकों को सामाजिक सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पाती हैं तथा उन्हें प्रतिकूल सेवाशर्तों में भी कार्य करना पड़ता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

(ii) आँकड़ा प्रबंधन में क्षमता नहीं रखा पाती है अत: विभिन्न उद्देश्यों का वास्तविक लाभ नहीं प्राप्त किया जा सकता है।

(iii) अनौपचारिक इकाइयों में कौशल विकास, वोकेशनल प्रशिक्षण पर नगण्य मात्रा में निवेश किया जाता है अत: नियोजित श्रमिक कम-उत्पादक बने रहते हैं।

(iv) सरकार की कर-प्राप्ति नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।

निपटने हेतु उपाय →

(i) उदार श्रम मानक बनाना तथा सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित कर श्रम कानून निर्माण करना ताकि उनका पालन आसान हो सके।

(ii) पारदर्शिता पूर्ण कर-ढाँचे की व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करना ताकि कर-चोरी से बचना मुश्किल हो तथा औपचारीकरण बढ़े। GST इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. A number of far-reaching developments have taken place in the local and global energy space which have to be reflected in our own energy policy framework. Discuss.

स्थानीय और वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में कई दूरगामी घटनाएं घटित हुई हैं, जिन्हें हमारी अपनी ऊर्जा नीति के ढांचे में प्रतिबिंबित होना है। चर्चा कीजिए।

भारत शुद्ध ऊर्जा आयातक देश है तथा अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के 80% से अधिक अंश की पूर्ति ऊर्जा आयात से करता है। चूंकि वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था पूर्णतः एकीकृत हो चुकी है अतः वैश्विक स्तर की प्रत्येक घटना भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है।

स्थानीय और वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में घटित दूरगामी घटनाएं एवं उनके भारत पर प्रभाव निम्नांकित हैं –

(i) वैश्विक मंदी के कारण जीवाश्म ईंधन के मूल्यों में भारी कमी।

(ii) शैल गैस एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के कारण परम्परागत ऊर्जा के मूल्य में भारी कटौती,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) प्रमुख तेल उत्पादकों में अपने भण्डारों के तीव्र दोहन कर अधिकाधिक लाभ कमाने के लिए प्रतिस्पर्धा

(iv) पर्यावरणीय चिंताएं उभरना।

इन घटनाओं के कारण भारत की ऊर्जा नीति पर निम्नांकित प्रभाव देखने को मिल सकते हैं -

(i) वैश्विक ऊर्जा कीमतों के सस्ते होने से भारत ऊर्जा के रणनीतिक भण्डार तैयार करने की ओर अग्रसर है।

(ii) नवीकरणीय स्रोतों की अपेक्षा पारम्परिक ऊर्जा की कीमतें लगातार गिरने के कारण नवीकरणीय क्षेत्र में प्रगति धीमी पड़ सकती है तथा स्थानीय स्रोतों का दोहन महँगा साबित हो सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The Indian IT-BPM (Information Technology-Business Process Management) industry is a global powerhouse today and its impact on India and the world has been unprecedented. Comment. Also, mention the challenges being faced by India's IT-BPM sector.

भारतीय IT-BPM (Information Technology-Business Process Management या सूचना प्रौद्योगिकी-व्यापार प्रक्रिया प्रबंधन) उद्योग आज एक वैश्विक शक्ति का केंद्र है और भारत एवं विश्व पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व रहा है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, भारत के IT-BPM क्षेत्रक द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों का भी उल्लेख कीजिए।

भारत में IT-BPM के लिए अनुकूल परिस्थितियों के निम्नांकित कारण है -

(i) शिक्षित, प्रशिक्षित एवं अंग्रेजी भाषा में निपुण मानव शक्ति जो वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

(ii) • निम्न एवं प्रतिस्पर्धी श्रममूल्य।

(iii) स्थानीय बाजार की उपस्थिति।

IT-BPM उद्योग ने भारत मे रोजगार सृजन, विदेशी मुद्रा अर्जन, भारतीय सॉफ्ट पावर का प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान किया है। यह उद्योग भारत में तीव्रतम संवृद्धि वाले उद्योगों में से एक रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

IT-BPM का भारत पर प्रभाव -

(i) भारतीय युवाओं का वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ाव

(ii) रोजगार सृजन एवं विदेशी मुद्रा अर्जन

विश्व पर प्रभाव -

(i) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लागत कम होने के कारण उनका वैश्विक प्रसार संभव हो सका।

(ii) प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विकास होने से सेवा गुणवत्ता मजबूत हुई।

वर्तमान में IT-BPM उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ -

(i) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) एवं ऑटोमेशन।

(ii) इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड जैसे देशों द्वारा तीव्र प्रतिस्पर्धा

(iii) बढ़ता वैश्विक संरक्षणवाद।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त चुनौतियों से लड़ने के लिए भारतीय IT उद्योग को समाधान कर्ता की बजाय समस्या खोजकर्ता एवं सुविधा-प्रदाता बनना होगा तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा से आगे उठकर विशेषीकृत क्षेत्रों जैसे चिकित्सा, परिवहन प्रणाली तथा नवीन प्रदेशों में जैसे अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका में अपना प्रसार करना पड़ेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. An effective multi-modal logistics and transport sector will make the Indian economy more competitive. Analyse.

एक प्रभावी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स (बहु-रूपात्मक संभरण) और परिवहन क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। विश्लेषण कीजिए।

किसी भी देश की परिवहन प्रणाली उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह कार्य करती है। निवेश को आकर्षित करने, प्रादेशिक विषमता दूर करने, बाजार एकीकरण तथा सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण के लिए परिवहन प्रणाली की सुदृढ़ता अति-आवश्यक है।

सड़कमार्ग, रेलमार्ग, वायुमार्ग एवं अन्तःस्थलीय जलमार्ग के एकीकरण से निर्मित परिवहन व्यवस्था को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक के रूप में विकसित किया जा सकता है, जो कच्चे एवं निर्मित माल की तीव्र एवं वहनीय कीमतों पर सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करता है

विकसित एवं प्रभावी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन क्षेत्रक के अर्थव्यवस्था को निम्नांकित लाभ हो सकते हैं:-

(i) यह ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रभावी सकारात्मक भूमिका निभाता है अतः वैश्विक निवेश की प्राप्ति को आसान बनाता है।

(ii) प्रत्येक प्रदेश की प्राकृतिक संसाधन क्षमता का पूर्ण दोहन संभव बनाता है तथा एक-बाजार का निर्माण कर वहनीय कीमतों पर उपभोग वस्तुएं सुनिश्चित करता है, जिससे माँग वृद्धि होती है।

(iii) देश का प्रत्येक प्रदेश एवं क्षेत्रक वैश्विक व्यापार में प्रभावी भूमिका निभाता है।

(iv) अवसंरचनात्मक विकास की क्रिया में सीमेंट, लौह, विनिर्माण उद्योग को प्रबलता प्रदान होती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Climate change threatens sustainable development, impairs socio-economic development and reinforces cycles of poverty across the globe. In this context, discuss the utility of climate risk insurance as an instrument within a comprehensive climate risk management system.

जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व में संधारणीय विकास को जोखिम में डालता है, सामाजिक-आर्थिक विकास को क्षीण करता है और गरीबी के चक्र को मजबूत बनाता है। इस संदर्भ में, व्यापक जलवायु जोखिम प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत एक साधन के रूप में जलवायु जोखिम बीमा की उपयोगिता पर चर्चा कीजिए।

स्थानीय मौसम प्रतिरूप में स्थायी परिवर्तन को जलवायु परिवर्तन कहा जाता है। जलवायु परिवर्तन द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की दक्षता के साथ मानवीय दक्षता को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित किया जाता है, जिसके निम्नांकित सामाजिक-आर्थिक परिणाम होते हैं-

(i) चरम मौसमी घटनाओं के कारण व्यापक जान-माल की क्षति होती है तथा पुनर्निर्माण पर अत्यधिक खर्च से विकास प्रक्रिया कई वर्ष पीछे चली जाती है।

(ii) तापमान तथा वर्षा के प्रतिरूप में परिवर्तन आने से कृषि-उत्पादकता कमजोर होती है तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए अधिक मात्रा में कृषि आगत की आवश्यकता होती

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

है। अतः कृषि-कार्य अलाभकारी हो जाता है।

(iii) पशुओं एवं मनुष्य की क्षमता कम होने से अर्थव्यवस्था नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।

(iv) द्वीपीय एवं तटीय प्रदेशों में जलमग्नता के कारण कृषि भूमि का ह्रास होता है।

उपरोक्त कारणों से जलवायु-शरणार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है तथा भूमि-परिवर्तनता के कारण शेष भूमि पर दबाव अत्यधिक होने से उसकी क्षमता कम हो जाती है।

जलवायु जोखिम बीमा चरम जलवायवी घटनाओं के प्रति समुदायों की सुभेद्यता को न्यून करता है तथा लोगों में नवोन्मेष अपनाने की क्षमता को

बढ़ाता है। फलस्वरूप लोग नवीन उत्पादन अवधारणाओं जैसे GM-फसल, शुष्क कृषि आदि के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का निर्माण करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Why are women particularly vulnerable to the impact of natural disasters? Also analyse, with adequate examples, how women can play a more effective role in disaster risk management cycle.

प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों के प्रति महिलाएं विशेष रूप से सुभेद्य क्यों होती हैं? साथ ही, समुचित उदाहरणों के साथ विश्लेषण कीजिए कि किस प्रकार महिलाएं आपदा जोखिम प्रबंधन चक्र में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं।

प्राकृतिक संकट जब व्यापक स्तर पर जान-माल की क्षति करता है तब वह प्राकृतिक आपदा कहलाता है। प्राकृतिक संकट जब किसी ~~सामाजिक~~ सुभेद्यता से गुणित होता है तब प्राकृतिक आपदा की तीव्रता की गणना होती है।

आपदा की तीव्रता = संकट की तीव्रता × सुभेद्यता

यहि कारण है कि विकासशील एवं अल्पविकसित देशों में सामान्य संकट भी गंभीर आपदा का स्वरूप धारण कर लेता है।

~~चूंकि~~ महिलाओं की सुभेद्यता अधिक

होने के निम्नांकित कारण हैं:-

(i) महिला की जैविक सीमितताएं, जैसे गर्भावस्था आदि उनकी गतिशीलता सीमित करती हैं।

(ii) पितृसत्तात्मक समाज में सम्पूर्ण जिम्मेदारी महिला पर डाल दी जाती है अतः वह शारीरिक रूप से कमजोर साबित होती है तथा आपदा के प्रति सुभेद्य हो जाती है।

(iii) आपदा के समय सभी सदस्यों के खाने के बाद भोजन करना तथा गरीब घरों में सीमित ~~खाद्य~~ खाद्य-पदार्थों के कारण सामान्यतः महिलाएं भूखी रहकर आने वाले दिनों में परिवार के भरण-पोषण की चिंता करने लगती हैं अतः वे शारीरिक कमजोरी से ग्रसित हो जाती हैं।

(iv) बचाव करने वाली मशीनरी तक पहुँचने में भी लैंगिक भेदभाव का सामना करती हैं।

आपदा प्रबंधन में महिलाएं अधिक प्रभावकारी सिद्ध हो सकती हैं क्योंकि-

(i) सामान्यतः महिलाओं में उच्च भावनात्मक-बुद्धिमत्ता गुणांक (EQ) होता है अतः वे सामूहिक प्रयासों एवं आपसी समन्वय में अधिक कारगर सिद्ध होती हैं।

(ii) खाद्य-पदार्थों का वितरण-प्रबंधन में महिलाएं अधिक दक्ष होती हैं।

(iii) करुणा एवं दया तथा समानुभूति की भावना महिलाओं में सामान्यतः अधिक होती है अतः वंचित समूहों जैसे वृद्धों, दिव्यांगजनों, स्त्री, बच्चों, मरीजों के बचाव में महिलाएं अधिक प्रयास करेंगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. In view of the seriousness of heat waves and its consequences, greater attention is required for dealing with it as a natural disaster. Analyse in the context of recent developments and the actions taken by relevant government bodies.

हीट वेव (ग्रीष्म लहर) और उसके परिणामों की गंभीरता के आलोक में, एक प्राकृतिक आपदा के रूप में इससे निपटने हेतु अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। हाल के घटनाक्रमों और संबद्ध सरकारी निकायों द्वारा उठाए गए कदमों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा स्थानीय तापमान में अचानक से 5-6°C तापमान वृद्धि होना या तापमान का 45°C से ऊपर होना, 'हीट वेव' के रूप में गणना किया जाता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसम दशाओं के कारण हीट वेव का प्रभाव समय, प्रसार क्षेत्र, एवं तीव्रता मे वृद्धि होती जा रही है। इसके निम्नांकित प्रभाव देखने को मिलते हैं -

(i) स्थलीय जलनिकाय तेजी से शुष्क हो जाते हैं

(ii) जल की कमी से जनित रोग होने लगते हैं, जो बच्चों को अधिक प्रभावित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

करते हैं।

(iii) वृद्धजनों की माँसपेशियों में अत्यधिक खिंचाव उत्पन्न होने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है।

(iv) पशु-पक्षी अत्यधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि हरी घास जल जाती है तथा उनके लिए जल उपलब्धता समाप्त हो जाती है।

हीट वेव की तीव्र होती समस्या से निपटने के लिए सरकारी प्रयास -

(i) भारतीय मौसम विभाग (IMD) द्वारा समय से पूर्व हीट वेव की घोषणा की जाने लगी है।

(ii) वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर हीट वेव के प्रभावों से निपटने के प्रयास

(iii) स्थानीय प्रशासन द्वारा संबंधित चिकित्सा सेवाएं एवं पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हीट वेव की तीव्र होती समस्या से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर सरकारी प्रयासों के साथ ही जन-भागीदारी को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसके द्वारा निम्नांकित प्रयासों को बल मिल सकता है:-

(i) वृक्ष कवर को बढ़ाना।
(ii) वर्षा जल का अत्यधिक संग्रहण।
(iii) प्राकृतिक जल-निकायों का संरक्षण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. While genome editing offers immense potential benefits in the area of healthcare, there are a lot of apprehensions regarding its use. Discuss.
जहां, जीनोम एडिटिंग स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बहुत अधिक लाभ की संभावना प्रस्तुत करता है, वहीं इसके उपयोग के संबंध में काफी आशंकाएं भी मौजूद हैं। चर्चा कीजिए।

जीनोम एडिटिंग एक आनुवांशिक तकनीक है, जो आण्विक स्तर पर कार्य करती है। जीनोम एडिटिंग में किसी जीनोम मे परिवर्तन करने के लिए लक्षित जीन या जीन खण्ड को काटकर हटाना, प्रतिस्थापित करना एवं वांछित गुणों वाले जीन का जीनोम में एकीकरण करना शामिल किया जाता है।

जीनोम एडिटिंग तकनीक की सफलता की दर बढ़ाने के लिए CRISPR/Cas-9 तकनीक का इजाद किया गया है, जो लक्षित खण्ड को ही एडिट करती है।

व्यक्ति की कुछ लाइलाज आनुवांशिक बीमारियों के उपचार में यह तकनीक अत्यधिक प्रभावकारी सिद्ध हो सकती है। यही कारण है कि जैव तकनीकी क्षेत्र में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

CRISPR / Cas-9 तकनीक को इस दशक की सबसे महत्वपूर्ण कहा जाता है।

इसके निम्नांकित लाभ हैं:-

(i) आनुवांशिक बीमारियों / व्याधियों को एक बार उपचारित कर सम्पूर्ण पीढ़ियों से हटाया जा सकता है।

(ii) कैंसर, मैनेन्जाइटिस जैसी जटिल बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक रसायन का निर्माण शरीर के अन्दर ही वांछित गुणों वाले जीन का समावेशन किया जा सकता है। इस प्रक्रिया को जीन ड्राइव या आनुवांशिक टीका कहते हैं।

(iii) कुछ कीटों मे आनुवांशिक बदलाव कर उनके लाभों को बढ़ाया जा सकता है तथा उनकी नकारात्मकताओं को कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए मलेरिया मच्छर की विषाणुवाहक क्षमता को नष्ट करना।

(iv) फसलों में / पशुओं में आनुवांशिक बदलाव कर उनकी उत्पादकता बढ़ायी जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीन एडिटिंग तकनीक के समक्ष चिंताएं -

(i) यह तकनीक डिजायनर बेबी की संकल्पना पर बल देती है, जो कि भविष्य में सिर्फ धनी लोगों का हथियार बनकर रह सकती है और एक नवीन सामाजिक विभाजन को उत्पन्न कर सकती है।

(ii) जीनोम में कृत्रिम परिवर्तन कुछ भावी अज्ञात उत्परिवर्तनों को प्रेरित कर सकता है, जिसका प्रभाव आने वाली सभी पीढ़ियों में भी हो सकता है।

जीन एडिटिंग तकनीक एक तटस्थ विज्ञान है अतः इसका उपयोग मानवता के विकास के लिए होना चाहिए। इस तकनीक को एक प्रसुविधा (facility) के रूप में कभी उपयोग नहीं करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Discuss various ways in which supercomputers have benefitted mankind, over the years. Also enumerate the objectives of the National Supercomputing Mission and the mechanism for its implementation.

उन विभिन्न तरीकों पर चर्चा कीजिए जिसके माध्यम से विगत वर्षों में सुपर कंप्यूटरों ने मानव जाति को लाभान्वित किया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के उद्देश्यों और इसके कार्यान्वयन के तंत्र को भी सूचीबद्ध कीजिए।

सुपर कम्प्यूटर समानांतर प्रोसेसिंग तकनीक पर आधारित एक कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग तकनीक है, जो एक साथ अनेक जटिल गणनाओं को अल्प समय में संपादित कर सकती है। सुपर-कम्प्यूटर ने विभिन्न तरीकों से जीवन के हर पक्ष को प्रभावित किया है -

(i) विभिन्न मौसमी दशाओं से संबंधित आंकड़ों के प्रसंस्करण द्वारा दीर्घकाल तक मौसम पूर्वानुमान एवं जलवायु-परिवर्तन पैटर्न का पता लगाया जा सकता है।

(ii) कस्टम दवाओं का निर्माण संभव हो सकता है। वस्तुतः सुपरकम्प्यूटर द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर शारीरिक संरचना के अनुसार दवाओं का निर्माण संभव है, जो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

अधिक दक्षतापूर्ण इलाज करने में सक्षम हैं।

(iii) सुपरकम्प्यूटर द्वारा सैंकड़ों वर्षों में परिणाम देने वाले एक्सपेरीमेंट कुछ घंटो में संपादित कर लिए जाते हैं।

- उदाहरण के लिए परमाणु हथियारों की प्रभावोत्पादकता की गणना बिना वास्तविक परीक्षण के तय की जा सकती है।

(iv) आर्टिफिशियल दशाओं का निर्माण कर वायुयानों के पायलटों, समुद्री सबमरीन में जाने वाले लोगों को तैयार किया जा सकता है।

- राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटर मिशन के उद्देश्य -

↳ शिक्षण संस्थानों से संबंधित देशभर में 100 सुपरकम्प्यूटरों का निर्माण करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ एक्साफ्लॉप्स तक की गति के सुपरकम्प्यूटरों का निर्माण कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा को चुनौती देना।

→ ग्रिड का निर्माण कर सभी विश्व-विद्यालयों एवं अनुसंधान केन्द्रों को भी सुपरकम्प्यूटरों का लाभ प्रदान करना।

भारत में सुपर कम्प्यूटर के विकास के लिए सेन्टर फॉर डवलपिंग एडवांस कम्प्यूटिंग (C-DAC) नामक संस्था है। इसकी सहायता से विभिन्न IITs, IISCs में सुपरकम्प्यूटरों की स्थापना की जा रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Widely seen as a disruption for the traditional banking and financial institutions, cryptocurrencies have gained significant traction lately, at the same time creating a regulatory nightmare for regulators across the globe. Discuss.
पारंपरिक बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के लिए व्यापक रूप से व्यवधान के रूप में देखी जाने वाली, साथ ही विश्व भर में नियामकों के लिए एक नियामकीय दुःस्वप्न का निर्माण करने वाली, *क्रिप्टोकरेंसी* ने हाल ही में महत्वपूर्ण पकड़ स्थापित की है। चर्चा कीजिए।

वर्तमान में प्रचलित सभी प्रकार के मुद्रा स्वरूपों यथा, स्वर्णमुद्रा, कागजी मुद्रा, डिजिटल मुद्रा पर किसी ना किसी प्रकार की विनियामक संस्था का नियंत्रण स्थापित है। क्रिप्टोकरेंसी ऐसे किसी भी विनियमन से मुक्त करेंसी है।

क्रिप्टो करेंसी के निम्नांकित गुण इसे महत्वपूर्ण बनाते हैं -

(i) इस करेंसी का सृजन ब्लॉक चेन पद्धति से होती है अतः यह अत्याधिक सुरक्षित, जाली मुद्रा से मुक्त एवं करेंसी मैन्युपुलेशन से मुक्त है।

(ii) इस करेंसी का अंतरण किसी व्यक्तिगत

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पते पर नहीं होकर एक विशेष पते पर होता है, जो व्यक्तिगत पहचान से मुक्त होता है। इस प्रक्रिया से करेंसी अंतरण किस व्यक्ति से किसके पास हो रहा है यह पहचानना मुश्किल है किन्तु यह बात सभी हितधारकों को पता चल जाती है कि करेंसी अंतरण किस दिशा में हो रहा है। अतः कालाबाजारी नहीं हो सकती है।

(iii) क्रिप्टोकरेंसी में उपयोग होने वाली तकनीक विकिन्न बैंकिंग प्रणालियों में करने से किसी भी प्रकार के बैंकिंग फ्रॉड की संभावना नगण्य हो जाती है।

(iv) सीमित संख्या में करेंसी होना एवं करेंसी का गैर-विनियमित सृजन होना अवमूल्यन या अधिमूल्यन की संभावनाओं को नगण्य करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि क्रिप्टो करेंसी कुछ चिंताओं को भी धारण करती है जैसे -

↳ आतंकवाद एवं संगठित अपराधों का वित्तपोषण।

↳ किसी भी प्रकार का विनियमन नहीं होने से सम्पूर्ण तंत्र के असफल होने की दशा में जवाबदेहिता का अभाव।

निश्चित तौर पर क्रिप्टोकरेंसी एक सुरक्षित एवं पारदर्शी अंतरण का साधन बन सकता है। किन्तु इस पर सीमित मात्रा में समन्वयपूर्ण नियमन आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. An internationally-binding agreement to strengthen the Outer Space Treaty of 1967 is both desirable and increasingly a necessity. Analyse in view of the traditional and emerging challenges in this arena.

1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि को मजबूत बनाने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय बाध्यकारी समझौता वांछनीय और साथ ही एक आवश्यकता दोनों है। इस क्षेत्र में पारंपरिक और उभरती हुई चुनौतियों के आलोक में विश्लेषण कीजिए।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) द्वारा प्रस्तावित 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि अंतरिक्ष को कॉमन गुड घोषित करती है जिसमें निम्नांकित प्रावधान है -

(i) समुद्रतल से 100 किलोमीटर ऊपर कारमैन रेखा से ऊपर अंतरिक्ष क्षेत्र पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है।

(ii) अंतरिक्ष का दोहन मानवता के लिए होगा तथा अंतरिक्ष यान तथा मानव पृथ्वी के प्रतिनिधि होंगे किन्तु इनकी क्षति संबंधित देश को ही उठानी पड़ेगी

(iii) अंतरिक्ष कक्षाओं में परमाणु हथियार स्थापित नहीं किए जा सकते। अंतरिक्ष का उपयोग शांतिपूर्ण तरीके से किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बाह्य अंतरिक्ष संधि के बावजूद कुछ नवीन समस्याएं उभर चुकी हैं, जिनका समाधान आवश्यक है - जैसे -

(i) अंतरिक्ष कक्षाएं एक सीमित संसाधन है अत: अंतरिक्ष तकनीकी से सम्पन्न राष्ट्रों ने अंतरिक्ष में ओवर क्राउडिंग कर अंतरिक्ष सेवाओं का व्यावसायीकरण कर दिया है। इसके फलस्वरूप नये राष्ट्रों को सीमित अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

अतः अंतरिक्ष उपनिवेशवाद की ~~स्थिति से~~ बचने के लिए सभी राष्ट्रों का कोटा निर्धारित करना चाहिए। कोटा से अधिक उपयोग पर उसे अपनी सेवाएं वंचित राष्ट्रों को रियायती दरों पर बेचना चाहिए।

(ii) अंतरिक्ष प्रदूषण की जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि उपग्रह छोड़ने वाला देश ही कार्यकाल समाप्ति पर उस

कचरे का निस्तारण करे या करवाये। असंवेदनशील कदमों से बचने के लिए स्पष्ट नियम आवश्यक है। उदाहरण के लिए चीन द्वारा प्रायोगिक परीक्षण के लिए अपने ही उपग्रह को लक्षित कर तोड़ा गया जिससे भारी मात्रा में अंतरिक्ष कचरा पैदा हुआ। अतः इन कदमों पर प्रभावी जवाबदेहिता सुनिश्चित करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Even after nearly 60 years in existence, AFSPA remains at the centre of debates with respect to countering violent insurgencies, role of the states and local communities. Discuss.

अस्तित्व में आने के लगभग 60 वर्षों के बाद भी, हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने और राज्यों व स्थानीय समुदायों की भूमिका को लेकर AFSPA वाद-विवाद के केंद्र में बना हुआ है। चर्चा कीजिए।

AFSPA

→ हटाने के पक्ष मे तर्क -

- मानवाधिकारों का हनन
- सुरक्षा बलो के कुछ सदस्य अमानवीय तरीके से बर्ताव करते हैं
- विभिन्न उग्रवादी समूह AFSPA का सहारा लेकर आम लोगों में सापेक्षिक वंचना की भावना का प्रसार करते हैं और सामान्यजन को उकसाते हैं।

→ लागू रहने के पक्ष में तर्क

- विभिन्न प्रकार के देश-विद्रोही ताकतों का प्रभाव समाप्त करना तथा एकता, अखण्डता सुनिश्चित करना
- अशांत क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना

सुझाव -

→ स्थानीय पुलिस को मजबूत बनाना
उदाहरण - त्रिपुरा

→ क्रमबद्ध तरीके से AFSPA को हटाकर जनसमूह को शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित करना।

→ बेहतर सीमाप्रबंधन तथा बाह्य तत्वों के प्रभाव को नगण्य करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Analyse the challenges and opportunities inherent in the push for indigenisation of defence production in India. Also, identify the measures through which indigenous manufacturing of defence equipments is being encouraged by the Government.

भारत में रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण की दिशा में निहित चुनौतियों और अवसरों का विश्लेषण कीजिए। साथ ही, उन उपायों की भी पहचान कीजिए जिनके माध्यम से रक्षा उपकरणों का स्वदेशी निर्माण सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India's ability to puruse a clear-cut strategic vision depends on its ability to improve institutional cooperation and coordination between the armed forces and civilian bureaucracy. Discuss.

भारत द्वारा एक सुस्पष्ट रणनीतिक दृष्टि का अनुसरण करने की क्षमता वस्तुतः सशस्त्र बलों और सिविल नौकरशाही के बीच संस्थागत सहयोग और समन्वय में सुधार करने की क्षमता पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)